सीएसआईआर-सीरी में स्थापना दिवस समारोह 2017 का भव्य आयोजन

भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन सेवारत वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) जो कि विश्वभर में सार्वजनिक क्षेत्र के अनुसंधान संगठनों में नौवें स्थान पर है, की पिलानी(राजस्थान) स्थित राष्ट्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला - केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीरी) के 65वें स्थापना दिवस का आयोजन, 21 सितंबर, 2017 को किया गया। इस अवसर पर आईआईआईटी-हैदराबाद के निदेशक, प्रोफेसर पी.जे. नारायणन, मुख्य अतिथि थे। बिट्स-पिलानी के कुलपित प्रोफेसर सौविक भट्टाचार्य समारोह के विशिष्ट अतिथि थे। आयोजन की अध्यक्षता सीएसआईआर-सीरी के निदेशक प्रोफेसर शांतनु चौधुरी ने की। इस अवसर पर संस्थान के सहकर्मियों के अतिरिक्त पूर्व निदेशक प्रोफेसर चंद्रशेखर, बिरला एजुकेशन ट्रस्ट, पिलानी के निदेशक मेजर जनरल एस नायर, विद्याविहार नगर पालिका के अध्यक्ष डॉ आर के पारीक, बिरला शिशु विहार के प्रधानाचार्य श्री पवन वशिष्ठ, स्थानीय शिक्षण व अन्य संस्थानों के गणमान्य अतिथियों तथा मीडिया जगत के प्रतिनिधियों के अतिरिक्त पिलानी के नागरिक भी उपस्थित थे।

दीप प्रज्वलन कर समारोह का शुभारंभ करते हुए मुख्य अतिथि प्रो. पी जे नारायणन एवं विशिष्ट अतिथि प्रो. सौविक भट्टाचार्य

कार्यक्रम का शुभारंभ परम्परागत रूप से अतिथियों द्वारा ***द्वीप प्रज्वलन*** से हुआ जिसके बाद सीरी विद्या मंदिर की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना की गई। अतिथियों का स्वागत गुलदस्ता भेंट कर किया गया।

स्थापना दिवस उद्बोधन देते हुए मुख्य अतिथि
प्रो. पी.जे. नारायणन, निदेशक, आईआईआईटी-हैदराबाद

इस अवसर पर मुख्य अतिथि ***प्रोफेसर पी.जे. नारायणन*** ने संस्थान के सहकर्मियों को 65वें स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई दी। उन्होंने अपने अथक परिश्रम द्वारा संस्थान की उपलब्धियाँ अर्जित करने के लिए सभी पूर्व तथा वर्तमान सहकर्मियों को उनके साधुवाद दिया। अपने स्थापना दिवस उद्बोधन में उन्होंने कहा कि प्रत्येक संस्थान या संगठन के लिए उसका स्थापना दिवस आत्मनिरीक्षण का अवसर होता है जिसमें हम अपने कार्यों की समीक्षा करते हैं। उन्होंने इस अवसर पर अपने पूर्व अनुभवों को साझा किया। अनुसंधान संस्थानों/प्रयोगशालाओं रूपी 'आधुनिक भारत के मंदिरों' की स्थापना के लिए उन्होंने देश के नीति-नियंताओं की दूरदर्शिता की सराहना की। वैज्ञानिकों के दायित्वों पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि विश्व में विज्ञान व प्रौद्योगिकी में बहुत तेजी से बदलाव हो रहे हैं और हमारे लिए भी स्वयं को उसके अनुसार बदलना या अपडेट करना अनिवार्य है। अपने संबोधन में उन्होंने देश को उत्कृष्ट संविधान देने के लिए संविधान निर्माताओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

समारोह के दौरान सभागार में उपस्थित अतिथिगण एवं सहकर्मी

अपने युवा साथियों का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि हमें अपनी पौराणिक, ऐतिहासिक व सांस्कृतिक पृष्ठभूमि पर गर्व

होना चाहिए। उन्होंने सकारात्मक दृष्टिकोण के महत्व को रेखांकित करते हुए युवाओं को देश के लिए अधिक परिश्रम करते हुए अधिक योगदान देने का आह्वान किया। अपने गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने देश के प्राचीन चिकित्सा व औषध विज्ञान की भी चर्चा की। अपने संबोधन के अंत में उन्होंने सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी तथा सीरी के निदेशक व सभी कर्मचारियों को स्थापना दिवस की शुभकामना दी।

विशिष्ट अतिथीय उद्बोधन देते हुए प्रो. सौविक भट्टाचार्य, कुलपति, बिट्स-पिलानी

विशिष्ट अतिथि ***प्रोफेसर सौविक भट्टाचार्य***, कुलपति, बिट्स-पिलानी ने इस अवसर पर स्वयं को आमंत्रित करने के लिए सीएसआईआर-सीरी के निदेशक प्रोफेसर शांतनु चौधुरी के प्रति आभार व्यक्त किया। सीएसआईआर-सीरी के स्थापना दिवस पर यहाँ आकर मुझे गर्व हो रहा है। उन्होंने इस अवसर पर बिट्स-पिलानी की शैक्षणिक व शोध गतिविधियों का परिचय देते हुए सीरी तथा बिट्स-पिलानी अपने पाठ्यक्रमों तथा अन्य क्रिया कलापों आदि में परिवर्तन करता रहा है। अपने शोध प्रकाशनों तथा रैंकिंग की चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि शोध क्षेत्र में भी हमारे विद्यार्थी अपना योगदान दे रहे हैं। उन्होंने बिट्स पिलानी के छात्र-छात्राओं के प्रति सीरी के योगदान को रेखांकित करते हुए प्रोफेसर चौधुरी के नेतृत्व में सीएसआईआर-सीरी में चल रहें शोध कार्यों की प्रशंसा की। अंत में उन्होंने सीरी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए सीरी परिवार के सभी साथियों को स्थापना दिवस की शुभकामना दी।

स्वागत उद्बोधन तथा संस्थान की गतिविधियों की जानकारी देते हुए
प्रो. शांतनु चौधुरी, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी

इससे पूर्व संस्थान के निदेशक ***प्रोफेसर शांतनु चौधुरी*** ने मुख्य अतिथि प्रो. नारायणन और विशिष्ट अतिथि प्रो.भट्टाचार्य का स्वागत किया ओर सभागार में उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों और संस्थान के सहकर्मियों को अतिथियों का परिचय दिया उन्होंने संस्थान द्वारा गतवर्ष के दौरान अर्जित उपलब्धियों तथा वर्तमान में जारी शोध परियोजनाओं और भविष्य की योजनाओं का भी विवरण दिया। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स तथा सम्बद्ध क्षेत्रों में प्रौद्योगिकीय परिदृश्य निर्णायक परिवर्तनों के दौर से गुजर रहा है और बदलते हुए इस परिदृश्य के कारण संस्थान से अपेक्षाएँ भी बढी हैं। सीएसआईआर-सीरी ने अपने स्मार्ट सेंसर्स, साईबर भौतिक प्रणालियाँ और माइक्रोवेव डिवाईसेज़ क्षेत्रों के माध्यम से बदलते परिदृश्य के अनुसार अपने आपको पुनर्गठित किया है और समय की माँग के अनुरूप स्वयं को डालने के लिए रोडमैप भी तैयार किया है। सीएसआईआर-सीरी वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) द्वारा समर्थित अनेक फास्ट ट्रैक ट्रांसलेशनल परियोजनाओं को सफलतापूर्वक क्रियान्वित कर रहा है। उन्होंने कहा कि मैं हर्ष पूर्वक सूचित करना चाहता हूँ कि हमारे संस्थान ने वाणिज्यिक व सामरिक उपयोगों हेतु महत्वपूर्ण भावी मार्ग प्रशस्त करते हुए 12वीं पंचवर्षीय योजना की नेटवर्क परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया है। इस अवसर पर उन्होंने भारत सरकार के कौशल विकास कार्यक्रमों के लिए संस्थान द्वारा किए जा रहे प्रयासों की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया की संस्थान ने जयपुर में अपने इनोवेशन-सह-इन्क्यूवेशन केन्द्र की भी स्थापना की है और सीएसआईआर के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए निरंतर प्रयासरत है। अपने संबोधन में प्रोफेसर चौधुरी ने समाज के प्रति अपने दायित्वों के निर्वहन की चर्चा करते हुए स्वच्छ पेयजल आपूर्ति के लिए किए गए प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा तेयार किए गए क्षीर स्कैनर का हैंड-हेल्ड संस्करण आगामी 26 सितंबर, 2017 को नई दिल्ली में आयोजित किए जाने वाले सीएसआईआर स्थापना दिवस के अवसर पर राष्ट्र को समर्पित किया जाएगा और संभवत: इसी दिन इसका प्रौद्योगिकी हस्तांतरण भी किया जाएगा। उन्होंने संस्थान द्वारा 'जिज्ञासा' व अन्य कार्यक्रमों के माध्यम से स्कूली विद्यार्थियों के बीच विज्ञान व अनुसंधान के प्रचार-प्रसार के लिए किए जाने वाले प्रयासों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने संस्थान के उद्देश्यों की प्राप्ति में चेन्नै केंद्र सहित अपने सभी वैज्ञानिक साथियों के योगदान की सराहना की। अंत में उन्होंने सभी उपस्थित अतिथियों व सहकर्मियों को स्थापना दिवस की बधाई व शुभकामना दी।

इस अवसर पर अतिथियों द्वारा संस्थान के वर्ष 2016-17 के ***वार्षिक प्रतिवेदन*** का भी ***विमोचन*** किया गया। मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि ने 10, 20, 25 तथा 30 वर्ष की सेवा पूरी करने वाले संस्थान के सहकर्मियों को सेवा पुरस्कारों से सम्मानित किया। सीएसआईआर-सीरी के निदेशक प्रो. शांतनु

चौधुरी ने प्रो. नारायणन और प्रो. भट्टाचार्य को ***स्मृति चिह्न*** भेंट कर सम्मानित किया।

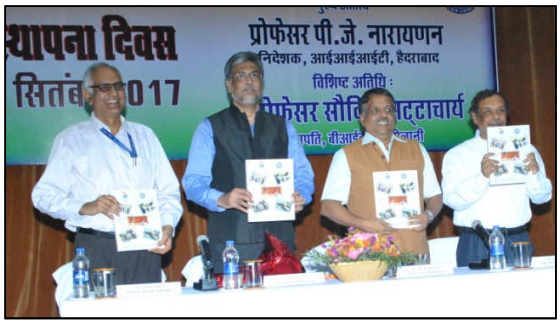

वार्षिक प्रतिवेदन 2017-18 का विमोचन करते हुए निदेशक एवं अतिथिगण

संस्थान सहकर्मियों को सेवा पुरस्कार वितरित करते हुए अतिथिगण

इससे पूर्व मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथि का संस्थान में पहुंचने पर सीएसआईआर-सीरी के निदेशक प्रोफेसर चौधुरी तथा अन्य सहकर्मियों ने स्वागत किया। मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथि द्वारा संस्थान के मुख्य लॉन में पौधारोपण भी किया गया।

संस्थान के मुख्य लॉन में पौधारोपण करते हुए मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि

समारोह के उपरांत अतिथियों ने संस्थान की विभिन्न प्रयोगशालाओं तथा सीरी के विज्ञान संग्रहालय का परिदर्शन किया और संस्थान की शोध गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने संस्थान की वैज्ञानिक गतिविधियों की सराहना की तथा विज्ञान संग्रहालय में आगंतुक पंजिका में अपने विचार दर्ज किए। कार्यक्रम का संचालन संस्थान के युवा वैज्ञानिकों ***सुश्री सोम शुक्ला माइति*** तथा ***श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा*** ने किया। अपने संचालन के दौरान उन्होंने मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों सहित सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया।

प्रो. नारायणन को संस्थान की शोध गतिविधियों की जानकारी देते हुए वैज्ञानिक

अंत में संस्थान के मुख्य वैज्ञानिक ***प्रो. राज सिंह*** ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सभी अतिथियों का संस्थान में पधारने के लिए आभार व्यक्त किया तथा आयोजन की सफलता के लिए निदेशक महोदय के मार्गदशन में प्रत्यक्ष तथा परोक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी सहकर्मियों को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ।

सांस्कृतिक संध्या का संचालन करते हुए श्री पंकज गोस्वामी,अनुभाग अधिकारी

सांयकाल में अतिथियों के मनोरंजन के लिए ***सांस्कृतिक कार्यक्रम*** का भी आयोजन किया गया जिसमें जयपुर के सुप्रसिद्ध नृत्य ग्रुप "अलंकार'' द्वारा राजस्थान के रंगारंग सांस्कृतिक नृत्य एवं लोकगीत प्रस्तुत किए गए। सभी अतिथियों ने कार्यक्रम की मुक्त कंठ से सराहना की। सांस्कृतिक संध्या के मुख्य अतिथि ***मेजर जनरल एस.एस. नायर,*** निदेशक, बिरला एजुकेशन ट्रस्ट, पिलानी ने कलाकारों को सम्मानित किया।